SHRI B. P. MAURYA : I introduce† the Bill.

12.7½ hrs.

STATEMENT *RE*. BRAITHWAITE AND COMPANY (INDIA) LIMITED (ACQUISITION AND TRANSFER OF UNDERTAKINGS) ORDINANCE, 1976.

SHRI B.P. MAURYA : I beg to lay on the Table an explanatory statement (Hindi and English versions) giving reasons for immediate legislation by the Braithwaite and Company (India) Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Ordinance, 1976. [*Placed in library See No. LT*-11160/76].

12.08 hrs :

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL), 1976-77—*Contd.*

MR. SPEAKER : The House will now take up the further discussion and voting on the Supplementary Demands for Grants in respect of the Budget (General) for 1976-77. The time allotted is 3 hours, time taken—1 hour 5 minutes and the balance is 1 hour 55 minutes.

Shri Ramsahai Pandey to continue his speech.

श्री राम सहाय पांडे (राजनंदगांव) : श्रीमन्, कल अनुदानों की पूरक मांगों के समर्थन के संदर्भ में मैंने "समाचार" एजेन्सी की स्थापना का स्वागत किया था लेकिन जो साधन "समाचार" एजेन्सी को दिये गये हैं, 10 लाख रुपए, मैं समझता हूं जो दायित्व और जो कार्य क्षेत्र निर्धारित किया गया है उसको देखते हुए वह बहुत कम है। "समाचार" एजेन्सी ने अपने प्रतिवेदन में 25 लाख रुपए तुरन्त देने की मांग की थी, उसके आधार पर 10 लाख रुपए दिए गए हैं जब कि इस समाचार एजेन्सी पर बहुत बड़ा राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दायित्व आ गया है।

श्रीमन्, समाचार की स्थापना के बाद जिस योग्यता से हमारा मंत्रालय और हमारे मंत्री जी—श्री विद्याचरण जी शुक्ल—इस काम में लगे हुए हैं, पत्रकारों की जो समन्वित एजेन्सीज हैं वे जिस कार्यकुशलता और दक्षता से काम कर रही हैं—मैं आपके माध्यम से उनको साधुवाद देता हूं धन्यवाद देता हूं, क्योंकि जिस नाजुक समय से हम गुजर रहे हैं, उसको देखते हुए यह बहुत आवश्यक है कि हम सामान्य से सामान्य व्यक्ति के पास सही समाचार, सत्य से ओतप्रोत समाचार पहुंचाकर इस एजेन्सी का कार्य पूरा करें। काम बहुत बड़ा है, समाचार को आज यह जिम्मेदारी निभानी है, लेकिन इस के लिए उसके पास पर्याप्त साधन नहीं हैं। इस बात को सरकार स्वयं भी स्वीकार करती है कि समाचार को देश के शहरों, अर्धशहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे विकास के बारे में पूरी जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए अपने कार्यक्षेत्र का ज्यादा से ज्यादा विस्तार करना है। अपने संवाददाताओं को अविलम्ब विश्व के सभी नाजुक क्षेत्रों में भेजना होगा जहां घटनायें होती रहती हैं। इस दृष्टि से तमाम गुट-निरपेक्ष देशों की समाचार एजेन्सियों का पूल बनाना, उन में आपस अधिक से अधिक योगदान हो—इस दृष्टिकोण से इन देशों के सूचना मंत्रियों का एक सम्मेलन पिछले जुलाई मास में यहां सम्पन्न हुआ, जिसके फैसलों की कोलम्बो में सम्पन्न हुए गुटनिरपेक्ष देशों के सम्मेलन में बड़ी सराहना हुई। इसका एक उद्देश्य यह भी था कि हम एक ऐसी एजेन्सी का गठन करें जो अन्तर्राष्ट्रीय जगत-जीवन में हमारी नीति को हमारे जीवन का हमारे दर्शन को, हमारी प्रतिक्रिया को सही ढंग से प्रस्तुत करे। पश्चिमी समाचार जगत ने हमारे देश की जो तस्वीर अब तक दुनिया के गुटनिरपेक्ष देशों के सामने प्रस्तुत की है, वह सदैव सच्चाई से बहुत दूर रही; इसलिये कि उनका दृष्टिकोण हमेशा औपनिवेशवादी, कालोनियलवादी रहा है। यह बड़ा चैलेन्ज हमने स्वीकार किया है—हम ऐसे देशों का एक संगम

---

† Introduced with the recommendation of the president.